दैनिक

सुप्रीम न्यूज

हिन्दी समाचार पत्र

आर एन आई नंबर UPHIN/2010/33252

जनता का अखबार

वर्ष : 13 | अंक : 299 | गौतमबुद्धनगर, मंगलवार, 03 जनवरी 2023 | उत्तर प्रदेश से प्रकाशित | पृष्ठ : 04 | मूल्य : 05 रूपये मात्र

नोएडा में शराब के ठेकों पर प्रति दिन देर रात्री तक ब्लैक में बेची जाती है शराब

आबकारी अधिनियम की जामकार उडाई जा रही धज्जियां

(सुप्रीम न्यूज ब्यूरो रिपोर्ट)

नोएडा : नोएडा सेक्टर 63 इलेक्ट्रॉनिक सिटी मेट्रो स्टेशन से कुछ ही दूरी पर अंग्रेजी और बियर मॉडल शॉप पर अबकारी आयुक्त के नियमों को ताक पर रखने वालों शराब के ठेकों पर रात्री में खुलेआम धडल्ले से ब्लैक में शराब की बिक्री की जा रही है। बल्कि इतना ही नहीं इन शराब के ठेकों पर प्रिंट रेट से ओवर रेट पर शराब बेचने की शिकायत मिलती रहती है। पूर्व में भी इन शराब के ठेकों पर ओवर रेट में शराब की बिक्री और ब्लैक में शराब की बिक्री की शिकायतें की जा चुकी लेकिन अबकारी विभाग लगतार नजरंदाज करता रहता है। आखिरकार अबकारी निरीक्षक रसूखदार शराब की

अनुग्यापियों पर शिकंजा क्यों नहीं कस पाते? आबकारी विभाग के अधिकारियों की ढिल के कारण नोएडा में अधिकांश शराब के ठेकेदार मनमानी करते है*

नव वर्ष के शुभ अवसर पर आबकारी अधिकारियों के साथ पत्रकारों ने उड़ाए गुलछर्रे

मधु चमारी/संपादक

नोएडा। आबकारी विभाग के अधिकारियों ने नव वर्ष पर कुछ नशेड़ी पत्रकार देवताओं की नोएडा सेक्टर 39 स्थित गार्डन गैलेरिया मॉल में मांस और मन्दिरा पान कराकर उनकी पूजा अर्चना की गई। नव वर्ष की शुरूआत इस तरह होगी हम ने कभी नही सोचा था। पत्रकार इतने गिर सकते हैं न तो कभी ये सोचा था और न ही कभी ये सोचा था कि आबकारी विभाग के अधिकारी इतने लाचार और बेबस हो सकते हैं कि उन्हें पत्रकारों को मजबूरन शराब की बोतलें देनी पड़े। वैसे तो पत्रकारों को शराब की बोतलें देने का सिलसिला कई वर्षों से चल रहा था। लेकिन आबकारी विभाग के अधिकारियों के हालात अब इतने गिर गये हैं कि आबकारी विभाग के अधिकारियों को चंद शराबी पत्रकारों के लिए मांस और मदिरा की दावत अरेंज करनी पड़ी। पत्रकारों और आबकारी विभाग के अधिकारियों के लिए ये बेहद शर्मिन्दगी की स्थिति है। दरअसल गौतमबुद्धनगर में जिले में अधिकांश शराब के ठेकों पर दिन भर धड़ल्ले से ओवर रेटिंग व देर रात नियम विरुद्ध ब्लैक में बीयर और अंग्रेजी, देशी शराब की बिक्री की जाती है। ठेकों पर ओवर रेटिंग और ब्लैक में बिक्री किये जाने के संबंध में अनेकों शिकायती विडियो आमजन द्वारा ट्विटर व अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर डालें जातें हैं। जो आमतौर से देखें जा सकते हैं। इन्हीं सब शिकायतों के मेनेजमेंट के लिए गौतमबुद्धनगर में आबकारी विभाग के अधिकारियों द्वारा पत्रकारों को आए दिन शराब व बीयर की बोतलें उपलब्ध कराई जाती हैं। नव वर्ष पर गार्डन गैलेरिया मॉल में पत्रकारों ने आबकारी विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर मीडिया मैनेजमेंट के चलते ही गुलछर्रे उड़ाएं हैं।

नए साल पर 12 लाख की लूट

अमेजन के देवला स्थिति वेयरहाउस में घुसकर 3 बदमाशों ने 12 लाख रुपए लूटे। सीसीटीवी में कैद हुई घटना

ग्रेटर नोएडा : थाना सूरजपुर स्थित साइट सी इंडस्ट्रियल क्षेत्र में बने अमेजॉन के वेयर हाउस में हथियारबंद बदमाशों ने घुसकर 12 लाख रुपए लूट लिए। बताया जा रहा है कि दो बदमाश वेयर हाउस के अंदर घुस गए और एक बाहर खड़े होकर देखता रहा कि कोई आ तो नहीं रहा है। सभी बदमाशों ने हेल्मेट लगाएं थे। अंदर मौजूद कर्मचारियों से हथियार के बल पर 12 लाख रुपए लेकर बदमाश फरार हो गए। वारदात थाना सूरजपुर क्षेत्र की है। पुलिस अधिकारियों को सूचना मिलते ही उनके हाथ पर फूल गए। साल के पहले ही दिन लूट की वारदात होना काफी अशुभ माना जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार औद्योगिक क्षेत्र के ई ब्लॉक में अमेजॉन कंपनी का वेयरहाउस है। यहां से ही ऑनलाइन ऑर्डर आने पर अलग-अलग जगह पर सामान भेजा जाता है। वेयरहाउस में इधर उधर से आए केश रुपए भी रखे थे। बदमाशों ने अंदर घुस-कर कर्मचारियों को हथियारों के बल पर काबू कर लिया। जब तक कोई कुछ समझ पाता तब तक बदमाशों ने वेयर हाउस में रखे 12 लाख लूट लिए। सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से पुलिस बदमाशों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है सूचना मिलने के बाद डीसीपी सेंट्रल नोएडा राम बदन सिंह ने भी मौके का मुआयना किया। थाना प्रभारी अवधेश प्रताप सिंह का कहना है कि वारदात को किस तरह से अंजाम दिया गया है यह पता लगाया जा रहा है जल्दी पुलिस बदमाशों तक पहुंच जाएगी। इस मामले के खुलासे के लिए चार टीमों का गठन भी कर दिया गया है।

दिल्ली के बाद नोएडा में भी सड़क पर दरिंदगी, लड़की को गाड़ी से कुचल फेंका

ग्रेटर नोएडा। दिल्ली में एक लड़की को कार से 12 किलोमीटर तक घसीटे जाने की घटना के बाद ग्रेटर नोएडा में भी सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया गया है। ग्रेटर नोएडा ईस्टर्न पेरीफेरल हाईवे पर अज्ञात महिला का शव मिला है। पहचान छिपाने के लिए सिर को टायर से सर कुचला गया है। शव के आसपास कोई वाहन नहीं मिला है। हत्या कर शव को फेंके जाने की आशंका जताई जा रही है। दादरी पुलिस मौके पर पहुंच जांच में जुट गई है। दादरी कोतवाली क्षेत्र में कोट के पुल के पास सोमवार की सुबह एक युवत की शव ईस्टर्न पैरिफेरल एक्सप्रेस वे पर पड़ा मिला है। जिसका सिर किसी वाहन से कुचला गया है। माना जा रहा है कि युवती की कहीं और हत्या करने के बाद शव यहां पर फेंका गया। पुलिस इस मामले में विभिन्न बिन्दुओं पर जांच कर रही है। युवती की शिनाख्त नहीं हो सकी है, पुलिस के अनुसार मृतका की उम्र करीब 30 से 35 वर्ष है। जिसकी शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं और शव

को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। नोएडा में यह वारदात ऐसे समय पर हुई है जब यहां से कुछ किलोमीटर दूर ही दिल्ली में एक बेटी को कार से 12 किलोमीटर तक घसीटकर मार डाला गया। शनिवार रात सुल्तानपुरी इलाके में कार ने स्कूटी सवार लड़की को टक्कर मार दी। मुरथल से पार्टी करके लौट रहे पांच लड़कों ने कार नहीं रोकी और 12 किलोमीटर तक लड़की को घसीटते रहे। शव को कंझावला के जौंती गांव में छोड़कर फरार हुए।

संपादकीय

संजय भाटी की कलम से

सुप्रीम न्यूज के सभी पाठकों और देशवासियों को नव वर्ष 2023 की शुभकामनाओं के साथ एक विशेष जानकारी आप सभी को देने के लिए हम उत्साहित हो रहे हैं। सत्रह साल पहले आज ही के दिन "सुप्रीम न्यूज" का साप्ता-हिक समाचार पत्र के रूप में पहले अंक का प्रकाशन किया गया था।

"सुप्रीम न्यूज" के प्रकाशन से पहले उस समय के बहुत से पत्रकारों के साथ मिलकर कई दैनिक अखबारों में मेरे द्वारा खबरें भेजी जाती थी। दस से अधिक अखबारों के लिए खबरें लिखने और अधिकांश खबरों के प्रकाशित न होने का अनुभव मुझे प्राप्त हुआ। मैं हमेशा अपने सिनियरों से खबरों के प्रकाशित न होने के कारण नाराजगी जताते हुए 10-20 दिन में ही अखबारों से खुद ही किनारा कर लेता था। नव वर्ष, गणतंत्रता दिवस, स्वतंत्रता दिवस, होली, दीवाली आदि पर एक साथ कई-कई अखबारों के सिनियरों को मेरी याद आ जाती थी। उनके द्वारा मेरी खबरों पर लगा सेंसर हटाने का वादा करके किसी न किसी दूसरे पत्रकार के साथ मिलकर शुभकामना संदेश वाले विज्ञापन लाने को कहा जाता था।

जिन लोगों से विज्ञापन लेकर आने हैं। उनकी लिस्ट सिनियरों द्वारा थमा दी जाती थी। इनमें से अधिकांश वे लोग होते थे जिनकी कारगुजारियों को लेकर मेरे द्वारा खबरें भेजी जाती थी। कई बार तो मेरी खबरों से हटे सेंसर की खुशियां अखबार के सिनियरों द्वारा दी गई विज्ञापन देने वाले लोग की लिस्ट को देखते ही ध्वस्त हो जाती थी।

यही सिलसिला बहुत दिनों तक चलता रहा। लेकिन धीरे धीरे एक रास्ता निकाला। मैं बहुत से पत्रकारों के लिए पत्रकारिता करने लगा। इस तरह दस बीस खबरों में से एक खबर महीने दो महीने में कहीं छप जाती तो मुझे लगता कि मैंने देशवासियों के लिए कुछ किया है। तभी देश भर में कुछ टीवी चैनलों पर समाचार दिखाए जाने लगे। टीवी चैनलों को देखकर मेरे अंदर का पत्रकार फिर से उत्साहित हो गया। यहां भी वही सब कुछ ही दिनों में मेरे सामने आ रहा था। इन दिनों कुछ लोगों ने केबल नेटवर्क वालों से मिलकर समाचारों के चैनलों की

शुरूआत कर दी। मैं इनमें भी कईयों का हिस्सा रहा।

इस सब में मुझे जन साधारण द्वारा पत्रकार के रूप में पहचान हासिल हुई। सभी छोटे बड़े टीवी और अखबारों के पत्रकार भी जानने लगे। गांव देहात और गरीब मजदूरों व ईमानदार छवि के नेताओं का मैं पसंदीदा पत्रकार बन गया। मैं ईमानदार छवि के पुलिस अधिकारियों तक की पहली पसंद था।

छोटे व मंझले स्तर के पत्रकारों का मुझे भरपूर सहयोग और समर्थन मिलता था। उस समय के सभी बुजुर्ग पत्रकारों ने मुझे खुद का अखबार निकालने के लिए प्रोत्साहित किया। अखबार के लिए आवेदन भले ही मेरे नाम से था। जबकि अखबार के आवेदन में शामिल पत्रकारों को आवेदन करते समय मुझे से ज्यादा खुशी थी। मुझे वो दिन आज भी याद है।

अखबार के लिए जिले के सूचना विभाग से लेकर अभिसूचना इकाई तक सभी का भरपूर सहयोग मिला। रजिस्ट्रार ऑफ न्यूज पेपर के कार्यालय से भी बहुत सहयोग किया गया। मेरी जेब में आर एन आई से प्राप्त टाइटिल की कॉपी थी। मैं अपने साथियों के साथ अखबार के पहले अंक के प्रकाशन के लिए खबरों के लिए किसान और मजदूरों की खबरें कवरेज करने के लिए सूरजपुर जिलामुख्यालय पर आया।

वहां पर कुछ पत्रकारों ने एक किसानों के धरनें में शांति व्यवस्था बनाने की जिम्मेदारी सम्भालना रहे सूरजपुर थाना प्रभारी श्री राजीव यादव के कान में धीरे से मेरे बारे में फर्जी पत्रकार होने की बात कही। जिस पर श्री राजीव यादव ने मुझे रोक लिया। उन्होंने मुझ से मेरे बारे में जानकारी मांगी। मैंने जेब में रखे आर एन आई से प्राप्त टाइटिल लेटर को दिखाते हुए बताया कि मैं एक अखबार का मालिक और संपादक हूं।

इस पर "श्री राजीव यादव" ने मुझ से हाथ मिलाया। इसके बाद उन्होंने मुझे दुनिया के बड़े बड़े अखबारों और टीवी चैनलों के नाम लेते हुए "सुप्रीम न्यूज" को उनसे भी बड़ा मीडिया संस्थान बनने की शुभकामनाएं दीं।

अंतर्मन

नववर्ष में योजना बना निकलें ठहराव से

रेनू सैनी

इन दिनों आप सभी ने एक शब्द के बारे में अवश्य सुना होगा-गॉब्लिन मोड। यह शब्द सामान्य से अब विशेष बन चुका है क्योंकि इस शब्द को 2022 में 'ऑक्सफोर्ड वर्ड ऑफ द इयर' चुना गया है। अमेरिकी भाषाविद् और लेक्सिकोग्राफर बेन ज़िमर के अनुसार 'गॉब्लिन मोड वास्तव में मौजूदा समय की मान्यताओं को जाहिर करता है। यह निश्चित रूप से 2022 की अभिव्यक्ति है। ये जनता को पुराने मानदंडों को दरकिनार करके नए तरीकों को अपनाने का मौका देता है।'

दरअसल गॉब्लिन का शाब्दिक अर्थ होता है भूत और मोड यानी कि मिजाज। अगर इन दोनों को एक साथ मिला दिया जाए तो अर्थ अलग हो जाता है। गॉब्लिन मोड का इस्तेमाल अधिकतर उन लोगों के लिए किया जाता है जो खुद में मस्त रहते हैं और उन्हें दुनियादारी से ज्यादा लेना-देना नहीं रहता। इन्हें आलसी भी कहा जाता है। यह शब्द ट्विटर पर पहली बार 2009 में देखा गया था। लेकिन इसे लोकप्रियता मिली वर्ष 2022 में, जब एक बार फिर महामारी के सिर उठाने से लॉकडाउन लग गया और अनेक लोगों ने अपने कार्य व्यवहार में परिवर्तन महसूस किया। इस परिवर्तन ने कई लोगों को आलसी और कमज़ोर बना दिया। वर्क फ्रॉम होम ने पूरी दुनिया के लोगों की जीवनशैली पर हमला किया और उनमें से कइयों को 'गॉब्लिन मोड' का शिकार बना दिया।

दरअसल, बुरी आदतें पैशाचिक प्रवृत्ति की ही होती हैं, इसलिए उनसे हानि ही अधिक होती है। दार्शनिकों का कहना है कि गॉब्लिन एक छोटा पिशाच ही होता है, जिसे कई यूरोपीय लोक कथाओं का हिस्सा बनाया गया है। हां, देश और काल के अनुसार पिशाच की शक्तियां, व्यवहार और रूप बदलते रहे हैं।

नए साल में नए संकल्प और जोश चरम पर होते हैं तो क्यों न वर्ष के प्रारंभ में गॉब्लिन मोड से बाहर आने की योजनाएं बनाई जाएं। आज स्टीफन किंग को पूरा विश्व हॉरर के बेताज बादशाह के नाम से जानता है। लेकिन एक समय असफलताओं से वे भी परेशान हो गए थे। उन्हें बचपन से ही डरावनी बातें बहुत आकर्षित करती थीं। अत्यंत गरीबी में वे कई बार बहुत परेशान हो जाते थे लेकिन लेखन का शौक उन्हें कुछ करने के लिए प्रेरित करता था। एक दिन उन्होंने सिंड्रेला की कहानी पढ़ी। वह कहानी उनके दिल को छू गई। उनके मन में कई सारे विचार उमड़ने-घुमड़ने लगे। उन्होंने ऐसी ही एक काल्पनिक लड़की के बारे में सोचा। अपनी कल्पनाओं और यथार्थ से सजाते हुए चमत्कार पर आधारित उन्होंने एक पूरा उपन्यास ही बना डाला। उपन्यास पूरा होने पर जब उन्होंने उसे पढ़ा तो उन्हें लगा कि ऐसी चमत्कारी व भयभीत करने वाली पुस्तक को कोई नहीं पढ़ना चाहेगा। उस दिन उनका मूड भी उखड़ा हुआ था। अभी तक कहीं भी उन्हें लेखन में आशातीत सफलता नहीं मिला थी। इससे वे गॉब्लिन मोड में आ गए थे। उन्होंने कुछ करने का इरादा छोड़ उस पुस्तक को रद्दी की टोकरी में डाल दिया। उनकी पत्नी रद्दी में डालने के लिए कुछ सामान लेकर आई तो उनकी नजर स्टीफन के हाथों से लिखी पाण्डुलिपि पर गई। उन्होंने तुरंत रद्दी की टोकरी से उसे निकाला।

वह स्टीफन के पास गई और बोलीं, 'आपकी यह कहानी यदि पुस्तक रूप में प्रकाशित होती है तो बहुत प्रसिद्ध होगी। आप इतनी जल्दी हार मत मानिए।' आप अपने लिए योजना बनाइए कि पुस्तक प्रकाशित करने के लिए क्या-क्या करना चाहिए?

पत्नी की सकारात्मक बातों से स्टीफन को राहत मिली। उन्होंने योजनाएं बनाकर उन पर अमल करना शुरू किया। वे उस पाण्डुलिपि को लेकर कई प्रकाशकों के पास गए। अनेक प्रकाशकों ने उनके उस उपन्यास पर व्यंग्य करते हुए उसे खेद सहित लौटा दिया। आखिर सब ओर से हार मानते हुए उन्होंने उसे डबलडे प्रकाशन समूह में भिजवा दिया। डबलडे ने कैरी नामक यह उपन्यास 1973 में प्रकाशित किया और स्टीफन को 400 डॉलर पारिश्रमिक के रूप में प्रदान किए। इसके बाद तो स्टीफन की किस्मत ही बदल गई। आज वे दुनिया के सबसे अमीर लेखकों में से एक हैं।

इस घटना से यह पता चलता है कि गॉब्लिन मोड में व्यक्ति उस समय आता है, जब वह तनावग्रस्त और अभावग्रस्त होता है। लेकिन योजना बनाकर गॉब्लिन मोड से बाहर आना मुश्किल नहीं है।

राजधर्म निर्वाह की मिसाल

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

अर्थव्यवस्था और पारिस्थितिकी विरोधाभासी नहीं है। देश की प्रगति में सभी का योगदान और महत्व होता है। पर्यावरण की रक्षा से देश की प्रगति हो सकती है। यह भारत ने दुनिया को करके दिखाया है। प्रकृति, पर्यावरण, पशु, पक्षी भारत के लिए केवल स्थिरता सुरक्षा के विषय नहीं हैं, यह हमारी संवेदनशीलता और आध्यात्मिकता का भी आधार हैं। अपने पिछले जन्मदिन पर नरेन्द्र मोदी मध्य प्रदेश के श्योपुर में स्वयं सहायता समूह सम्मेलन में सहभागी हुए। उन्होंने कहा था कि आमतौर पर वह अपने जन्मदिन पर मां से मिलते हैं। उनका आशीर्वाद लेते हैं।

भारतीय चिंतन में कर्मयोग और संन्यास का वृहत विश्लेषण है। इन पर अमल करने वालों की अनवरत परंपरा रही है। अनगिन शासकों और राजनेताओं ने समाज के लिए निजी हित और पारिवारिक जीवन का परित्याग किया। नरेन्द्र मोदी और योगी आदित्यनाथ जैसे राजनेता आज भी इस महान विरासत को चरितार्थ कर रहे हैं। योगी आदित्यनाथ ने विधिवत संन्यास ग्रहण किया है। वह संन्यास धर्म की मर्यादाओं में रहते हुए समाज सेवा के पथ पर चल रहे हैं। अपने पूर्व आश्रम पिता के निधन का समाचार सुनते हैं। लेकिन कोरोना आपदा प्रबंधन के कार्यों में लगे रहते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आध्यात्मिक रूप से संन्यास आश्रम ग्रहण नहीं किया है। वह भारतीय चिन्तन के अनुरूप सामाजिक संन्यास पर अमल करते हैं। अपनी मां की अंतिम यात्रा में जाते हैं। इसके बाद उनका राजधर्म निर्वाह शुरू हो जाता है। पहले से तय कार्यक्रमों में कोई बदलाव नहीं किया जाता है। बाईस वर्ष के संवैधानिक दायित्व निर्वाह में एक भी दिन अवकाश न लेने की परम्परा कायम रहती है।मुख्यमंत्री रहे तो पूरे गुजरात को परिवार समझा। प्रधानमंत्री बने तो उनके परिवार में पूरा भारत आ गया। वह उदार चरित्र का परिचय देते हैं। यह मेरा है और यह पराया, इस तरह की सोच संकीर्ण विचारधारा वालों की होती है लेकिन विस्तृत विचारधारा वालों के लिए तो यह सम्पूर्ण पृथ्वी ही परिवार के समान होती है। अच्छे जनसेवक पर भी यही सिद्धांत लागू होता है। मोदी ने जब जनसेवा का मार्ग अपनाया तो उन्होंने इसी सिद्धांत का अनुसरण किया। नरेन्द्र मोदी की कार्य शैली विलक्षण है। राष्ट्र और समाज की सेवा में सम्पूर्ण समर्पण। इसी के अनुरूप परिवार भावना का विस्तार। एक बार उनकी मां ने कहा था कि हमारे परिवार ने नरेन्द्र मोदी को समाज के लिए समर्पित मान लिया था, न परिवार ने कभी उनसे कोई अपेक्षा की, न नरेन्द्र मोदी ने अपने को सीमित दायरे में रखा। मुख्यमंत्री के रूप में वहां के छह करोड़ लोगों को अपना परिवार मानते रहे, उन्हीं के हित में कार्य करते रहे। प्रधानमंत्री बने तो 130 करोड़ लोगों तक उनका परिवार विस्तृत हो गया। आठ वर्षों तक बिना विश्राम के इस परिवार की सेवा में समर्पित हैं। यह कार्यशैली और चिंतन ही उनको विशिष्ट बनाता है। बिल्कुल अलग।

नरेन्द्र मोदी के लिए जन्म दिवस और पर्व आदि भी समाज सेवा के अवसर होते हैं। नरेन्द्र मोदी दीवाली सैनिकों के बीच मनाते हैं। उनके ये आयोजन व्यक्तिगत नहीं होते। नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र को प्राथमिकता दी है व गरीब कल्याण के संकल्प से असंभव कार्यों को संभव करके दिखाया है। गरीब कल्याण, सुशासन, विकास, राष्ट्र सुरक्षा व ऐतिहासिक सुधारों के समांतर समन्वय से नरेन्द्र मोदी ने मां भारती को पुनः सर्वोच्च स्थान पर आसीन करने के अपने संकल्प को धरातल पर चरितार्थ किया है। यह निर्णायक नेतृत्व जनता के अटूट विश्वास के कारण ही सम्भव हो पाया है। एक सुरक्षित, सशक्त व आत्मनिर्भर नए भारत के निर्माता मोदी का जीवन सेवा और समर्पण का प्रतीक है। आजादी के बाद पहली बार करोड़ों गरीबों को उनका अधिकार देकर उनमें आशा और विश्वास का भाव जगाया है। भारतीय संस्कृति के संवाहक नरेन्द्र मोदी ने देश को अपनी मूल जड़ों से जोड़ हर क्षेत्र में आगे ले जाने का काम किया है। उनकी दूरदर्शिता व नेतृत्व में नया भारत एक विश्वशक्ति बनकर उभरा है। वैश्विक नेता के रूप में उनकी विशेष पहचान और छवि है। वह दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता हैं।

वह कहते भी हैं कि अर्थव्यवस्था और पारिस्थितिकी विरोधाभासी नहीं है। देश की प्रगति में सभी का योगदान और महत्व होता है। पर्यावरण की रक्षा से देश की प्रगति हो सकती है। यह भारत ने दुनिया को करके दिखाया है। प्रकृति, पर्यावरण, पशु, पक्षी भारत के लिए केवल स्थिरता सुरक्षा के विषय नहीं हैं, यह हमारी संवेदनशीलता और आध्यात्मिकता का भी आधार हैं। अपने पिछले जन्मदिन पर नरेन्द्र मोदी मध्य प्रदेश के श्योपुर में स्वयं सहायता समूह सम्मेलन में सहभागी हुए। उन्होंने कहा था कि आमतौर पर वह अपने जन्मदिन पर मां से मिलते हैं। उनका आशीर्वाद लेते हैं। आज मैं उनके पास नहीं जा सका, लेकिन आदिवासी क्षेत्रों और गांवों में कड़ी मेहनत करने वाली लाखों माताएं आज यहां मुझे आशीर्वाद दे रही हैं। यह दृश्य देखकर मेरी मां को संतोष होगा कि भले बेटा आज यहां नहीं आया, लेकिन लाखों माताओं ने आशीर्वाद दिया है। नए भारत में पंचायत भवन से लेकर राष्ट्रपति भवन तक नारीशक्ति का परचम लहरा रहा हैं।

विगत आठ वर्षों के दौरान देश में ग्यारह करोड़ से ज्यादा शौचालय बनाए गए। नौ करोड़ से ज्यादा उज्जवला के गैस कनेक्शन प्रदान किए गए। करोड़ों परिवारों में नल से जल की सुविधा उपलब्ध कराई गई। महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण हो रहा है। पिछले आठ सालों में स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाने की दिशा में अनेक कदम उठाए गए। आठ करोड़ से अधिक महिलाएं इस अभियान से जुड़ी हैं। सरकार का लक्ष्य हर ग्रामीण परिवार से कम से कम एक महिला को इस अभियान से जोड़ने का है। गांव की अर्थव्यवस्था में, महिला उद्यमियों को आगे बढ़ाने के लिए सरकार निरंतर काम कर रही है। एक जिला एक उत्पाद के माध्यम से हर जिले के लोकल उत्पादों को बड़े बाजारों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। नरेन्द्र मोदी महापुरुषों द्वारा देखे गए सपनों को साकार कर रहे हैं। ब्रिटेन को पछाड़ कर भारत आज दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था व्यवस्था वाला देश बन गया है। अपनी मां के अंतिम संस्कार से खाली होने के तुरंत बाद मोदी वर्चुअल माध्यम से सरकारी कार्यक्रम में सहभागी हुए। हावड़ा और न्यू जलपाईगुड़ी के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। मोदी ने कहा इस सदी में देश का तेजी से विकास करने के उद्देश्य से भारतीय रेलवे के बुनियादी ढांचे को विकसित करने का अभियान पूरे देश में जारी रहेगा।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार इस दिन प्रधानमंत्री को कोलकाता आना था, जहां हावड़ा स्टेशन पर उनका मूल कार्यक्रम आयोजित था। इस बीच सुबह के समय जब हीरा बा के निधन की खबर आई तो इस बात के कयास लगाए जा रहे थे कि कार्यक्रम को टाला जा सकता है। थोड़ी देर बाद ही आधिकारिक तौर पर बताया गया कि प्रधानमंत्री वर्चुअल तरीके से कार्यक्रम में शामिल होंगे। मां के अंतिम संस्कार के बाद प्रधानमंत्री अहमदाबाद के राजभवन पहुंचे। वहां वर्चुअल माध्यम से वह कार्यक्रम में शामिल हुए। हावड़ा न्यू जलपाईगुड़ी के बीच ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के बाद अपने सम्बोधन में उन्होंने बंगाल की जनता से माफी मांगते हुए कहा कि वह निजी कारणों से कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके, इसके लिए वह क्षमाप्रार्थी हैं। जिस धरती से वंदे मातरम का जय घोष हुआ वहां वंदे भारत को हरी झंडी दिखाई गई। 30 दिसंबर, 1943 को नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने अंडमान में तिरंगा फहराकर भारत की आजादी का बिगुल फूंका था। इसके बाद प्रधानमंत्री दूसरी राष्ट्रीय गंगा परिषद की बैठक में भी शामिल हुए।

वह अपनी मां की तबियत बिगड़ने पर देररात से ही जाग रहे थे। करीब साढ़े तीन बजे भोर में उनका निधन हुआ। नरेन्द्र मोदी ने अपनी माता को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी माता की सीख थी कि काम करो बुद्धि से और जीवन जियो शुद्धि से। हीरा बा का जन्म 18 जून, 1923 को मेहसाणा जिले की विसनगर तहसील में हुआ था। बचपन में ही हीरा बा की माता चल बसी थीं। बिन माता की हीरा बा का बचपन बहुत गरीबी में बिता। संघर्षों के कारण कम उम्र में ही उनके पास अनुभव का खजाना था। घर में बड़ी होने के कारण पूरे परिवार की जिम्मेदारी भी उठाती रहीं। बाद में छोटी उम्र में ही वडनगर के मोदी परिवार में उनकी शादी हो गई। वहां भी वे परिवार की सबसे बड़ी बहू थीं। यहां भी उनपर जिम्मेदारी बड़ी थी, लेकिन उन्होंने तनिक भी विचलित हुए बिना इसे उठाते हुए परिवार को एकजुट रखा। वडनगर के एक छोटे से घर में वो रहती थीं, जहां एक भी खिड़की नहीं थी। घर पर आर्थिक संकट के दौर में हीरा बा ने दूसरे घरों में जूठे बर्तन भी मांजे। चरखा चलाने का भी उन्होंने काम किया। वे रुई कातने का भी काम करती रहीं। उनके पांच पुत्र और एक पुत्री हैं। वे छोटे पुत्र पंकज मोदी के साथ ही रहती थीं। नरेन्द्र मोदी वर्ष 2016 में अपनी माता हीरा बा को अपने साथ दिल्ली लेकर गए थे। वह कुछ दिन यहां रहीं थीं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

स्वात्वाधिकारी **मुद्रक, प्रकाशक संजय भाटी ने** वत्स आफसैट मुद्दा हाऊस सी ब्लाक बारातघर के सामने चौडा रघुनाथपुर सेक्टर 22 नोएडा गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं सेवा सदन देवला , ग्रेटर नोएडा गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित किया । RNI.NO.UPHIN/2010/33252, Mob. 9811291332 किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी। **संपादक- मधु**

कंझावला हादसे पर बोले एलजी, 'मेरा सिर शर्म से झुक गया है'

नई दिल्ली। नए साल की सुबह रोहिणी जिले के कंझावला इलाके में कथित हादसे में एक लड़की के संदिग्ध हालत में दर्दनाक मौत के मामले पर दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) विनय कुमार सक्सेना ने भी दुख प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि 'कंझावला-सुल्तानपुरी में हुए अमानवीय अपराध पर मेरा सिर शर्म से झुक गया है और मैं अपराधियों की राक्षसी संवेदनहीनता से स्तब्ध हूं।'

एलजी ने कहा कि उन्होंने पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा को पूरे मामले की जांच और आरोपितों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं। वे कमिश्नर के साथ निगरानी कर रहे हैं और आरोपितों को पकड़ लिया गया है। सभी पहलुओं पर गहनता से विचार किया जा रहा है। यहां तक कि पीड़ित परिवार की हर संभव सहायता सुनिश्चित की जाएगी। इस घटना के बाद एलजी ने आमलोगों से भी अपील की है कि सब मिलकर एक अधिक जिम्मेदार और संवेदनशील समाज की दिशा में काम करें। वहीं सुल्तानपुरी से कंझावला में इस हादसे को लेकर पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी प्रश्न खड़े हो गए हैं। आम आदमी पार्टी के विधायक सौरभ भारद्वाज का कहना है कि दो दिन पहले दिल्ली पुलिस ने प्रेस वार्ता कर

जगह-जगह नए साल पर जश्न को लेकर सुरक्षा आदि का हवाला देते हुए पुलिस अफसरों की तैनाती की डिटेल दी थी, लेकिन जिस तरह हादसा हुआ है यह देश का सबसे बड़ा हादसा हो गया है, जिसमें किसी को गाड़ी से इतने किलोमीटर घसीटा हो और उसकी मौत हुई हो गई। हादसे के बाद रविवार तड़के इस मामले में पहली कॉल रविवार सुबह 3 बजकर 24 मिनट पर हुई। युवती की लाश सड़क पर मिलने की सूचना तड़के 4 बजकर 11 मिनट की है। यानी पूरे पौने घंटे तक पुलिस की लोकेशन क्या थी ? इस घटना की सूचना देने वाले कॉलर का कहना है वह सात बार फोन कर बातचीत कर पुलिस को गाड़ी के बारे में लगातार बताता रहा लेकिन पुलिस एक्टिव नहीं थी।

सूत्रों की माने तो केस में कई कड़ियां मिसिंग है। मृतका की पहचान क्यों नहीं उजागर की गई। कई किलोमीटर लंबे रूट पर लगे सीसीटीवी कैमरे में तो यह घटना कैद हुई होगी। इस स्थिति में फुटेज में क्या दिखा, जिस सड़क पर घसीटते हुए वारदात हुई, उस पूरे रूट पर कितने निशान कलेक्ट हुए। पुलिस की एक्सीडेंट थ्योरी पर ऐसे कई सवाल भी खड़े हो रहे हैं सूत्रों के मुताबिक कंझावला में जिस जगह पर शव मिला, उस समय सूचना पाकर दो जिलों के चार एसएचओ जांच में लगे थे। जिस तरह से यह खौफनाक वारदात हुई पहली नजर में यह महज रोड एक्सीडेंट दिखाई नहीं देता। इससे भी इनकार नहीं किया जा सकता कि युवती की हत्या के बाद हादसा दिखाने की कोशिश की गई हो। जिस जगह कथित एक्सीडेंट हुआ और जहां शव मिला उसमें कई किलोमीटर की दूरी है।

दिल्ली में छाया हल्का कोहरा, न्यूनतम तापमान में गिरावट

नई दिल्ली। दिल्ली में सोमवार सुबह हल्की धुंध छाई रही और न्यूनतम तापमान गिरकर 8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने ये जानकारी दी। राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता सूचकांक खराब श्रेणी में 239 दर्ज किया गया।

सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च ने कहा, अगले तीन दिनों के लिए, हवा की गति (12 किमी प्रति घंटा तक) और तापमान (अधिकतम 19-18 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम 6-4 डिग्री सेल्सियस) से हवा की गुणवत्ता खराब होने की संभावना है। मिक्सिंग लेयर की ऊंचाई 1.0 किमी होने की संभावना है, जो प्रदूषकों को कमजोर करती है। इस बीच, आईएमडी ने भविष्यवाणी की कि गंगा के मैदानी इलाकों में सतह के पास हल्की हवा और उच्च नमी के कारण, अगले 2-3 दिनों में उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, उत्तर

प्रदेश के कुछ हिस्सों में और अगले चार दिनों के दौरान बिहार के अलग-अलग इलाकों में घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, ओडिशा, हिमालयी पश्चिम बंगाल, असम और त्रिपुरा के अलग-अलग इलाकों में अगले दो-तीन दिनों में घना कोहरा छाया रहेगा। राजस्थान के उत्तरी भागों में 1-3 जनवरी के दौरान तेज शीत लहर चलते की अधिक संभावना है। 1-5 जनवरी के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में और 2 और 3 जनवरी को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में, 1-4 जनवरी के दौरान हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में अलग-अलग इलाकों में शीत लहर की स्थिति बनी रहने की संभावना है।

कांग्रेस पर संविधान और लोकतंत्र को बचाने की जिम्मेदारी: खड़गे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि देश में संविधान और लोकतंत्र को बचाने की जिम्मेदारी कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की है। उन्होंने नए साल के संदेश में कहा, 'यह वह साल हो जब हम हर भारतीय, खासकर सबसे कमजोर लोगों की आवाज उठाने के लिए कड़ी मेहनत करें। हमारे संविधान और लोकतांत्रिक लोकाचार को बचाने का दायित्व हम पर है। आइए, हम एकजुट हों और अपने पूर्वजों द्वारा परिकल्पित हमारे साझा मूल्यों को संरक्षित करें।'

खड़गे ने कहा कि प्रत्येक भारतीय को यह महसूस करना चाहिए कि कांग्रेस धर्मनिरपेक्ष, प्रगतिशील और उदार भारत के सपनों और आकांक्षाओं को साकार करने का माध्यम है। कांग्रेस हमेशा भारत के लिए खड़ी रही है, और हमें इस वैचारिक बंधन और अमूल्य संबंध को मजबूत करने की जरूरत है।

उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं

को संदेश में कहा, 'आइए, हम वर्ष 2023 को एक ऐसा वर्ष बनाने का संकल्प लें, जिसमें हर भारतीय एक साथ आए और सौहार्द और भाईचारे के बंधन को मजबूत करे। उन्होंने लोगों से अपील की कि उन बाधाओं को दूर करने का समय आ गया है, जो हमें विभाजित करते हैं और हमारे भीतर प्रेम, करुणा, सहिष्णुता और बंधुत्व के मूल्यों को फिर से जगाते हैं।' उन्होंने कहा, 'यह समय प्रत्येक आकांक्षा को एकजुट करने और उन सभ्यतागत आदर्शों को सुदृढ़ करने का है जो हमें एक साथ जोड़ते हैं। आइए, हम एक समावेशी समाज के विचारों और आदर्शों को पुनः प्राप्त करें, जिससे देश में शांति और सद्भाव कायम हो।'

एयर मार्शल पंकज मोहन सिन्हा ने पश्चिमी वायु कमान की संभाली जिम्मेदारी, 4500 घंटे से अधिक का उड़ान अनुभव

नई दिल्ली। एयर मार्शल पंकज मोहन सिन्हा ने भारतीय वायु सेना की पश्चिमी कमान का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। एयर मार्शल सिन्हा के पास 4500 घंटे से अधिक का उड़ान अनुभव है। उन्हें 'विशिष्ट सेवा पदक' और 'अति विशिष्ट सेवा पदक' से सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने एयर मार्शल एस प्रभाकरन का स्थान लिया है, जो भारतीय वायुसेना में 39 साल से अधिक की विशिष्ट सेवा देने के बाद 31 दिसंबर 2022 को सेवानिवृत्त हो गए हैं। एयर मार्शल पंकज मोहन सिन्हा पुणे की राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से स्नातक हैं और वे जून 1985 में एक लड़ाकू विमान पायलट के रूप में भारतीय वायु

सेना में नियुक्त किये गए थे। वह वेलिंगटन के प्रतिष्ठित डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज के पूर्व छात्र भी रहे हैं। वे एक अनुभवी फाइटर पायलट हैं और 'ए' श्रेणी के मान्यता प्राप्त फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर, फाइटर स्ट्राइकर लीडर, इंस्ट्रूमेंट रेटिंग इंस्ट्रक्टर तथा परीक्षक के रूप में विभिन्न पदों कार्यरत रहे हैं। उन्होंने 37 साल से अधिक के अपने सेवा काल में कई महत्वपूर्ण कमान और स्टाफ नियुक्तियों पर कार्य किया है। इनमें फाइटर स्क्वाड्रन के कमांडिंग ऑफिसर और फ्लाइंग स्टेशन पर मुख्य उड़न प्रशिक्षक (फ्लाइंग) जैसी नियुक्तियां शामिल हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने ब्रिटेन में रॉयल एयर फोर्स वैली में ट्रेनिंग कोऑर्डिनेशन ऑफिसर के रूप में कार्य किया है, जहां पर उन्होंने हॉक विमान उड़ाया था। एयर मार्शल पंकज वायु सेना मुख्यालय में प्रधान निदेशक कार्मिक अधिकारी, एक प्रतिष्ठित वायु सेना स्टेशन के कमांडिंग वायु अधिकारी, वायुसेना प्रमुख के वायु सहायक और वायु सेना मुख्यालय में वायु सेना संचालन (आक्रमण) के प्रमुख सहायक के रूप में भी कार्यरत रहे हैं। वे एक प्रमुख लड़ाकू स्क्वाड्रन के कमोडोर कमांडेंट हैं और वर्तमान नियुक्ति पर आने से पहले वायु सेना मुख्यालय में वायु संचालन महानिदेशक के पद पर थे।

ग्रेटर नोएडा में ईस्टर्न पेरीफेरल पर मिला लड़की का शव, गाड़ी के टायर से कुचला मिला सिर

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस वे पर सोमवार सुबह एक लड़की का शव बरामद हुआ है। शव का सिर किसी गाड़ी के टायर से कुचला हुआ मिला है। शुरआती जांच में पुलिस एक्सीडेंट की आशंका जता रही है। लेकिन लड़की की हत्या कर शव को ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर फेंके जाने की संभावना पर भी पुलिस जांच कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक दादरी थाना क्षेत्र में पड़ने वाले ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर एक लड़की के शव पड़े होने की सूचना पुलिस को मिली थी। सूचना के बाद आनन-फानन में मौके पर पहुंची पुलिस ने जब शव को देखा तो पुलिस भी सोच में पड़ गई। क्योंकि लड़की के हाथ पैर के साथ-साथ शरीर में कई जगह चोट लगी हुई थी और उसका सिर किसी गाड़ी के पहिए से कुचला हुआ पड़ा था। हालांकि पुलिस को आस पास कोई वाहन नहीं मिला है, लेकिन पुलिस के मुताबिक यह घटना किसी बड़े वाहन से हुई है जिसकी तलाश की जा रही है। लड़की कौन है कहां से आई है और यहां तक कैसे पहुंची यह सब अभी गुत्थी में उलझा हुआ है। लड़की की हत्या कर शव को फेंके जाने की भी संभावना से फिलहाल पुलिस इनकार करती नहीं दिखाई दे रही है।

मदरसों में शुरू होंगी प्री प्राइमरी कक्षाएं

उत्तर प्रदेश : उत्तर प्रदेश जल्द ही प्रदेश के मदरसों में प्री प्राइमरी कक्षाएं शुरू होंगी। इसकी तैयारियां शुरू हो गई हैं। पाठ्यक्रम तैयार किया जा रहा है। मार्च में इसका पूरा शेड्यूल जारी होगा। दरअसल, मदरसों को आधुनिक बनाने की कवायद चल रही है। यहां के बच्चे विज्ञान, गणित जैसे विषय पढ़ें और शिक्षा की मुख्यधारा में शामिल हों, इसकी पुरजोर कोशिश हो रही है। यही कारण है कि मदरसों में कंप्यूटर शिक्षा भी शुरू की गई। गैर मान्यता प्राप्त मदरसों का सर्वे कराने के पीछे भी सरकार की मंशा यही है कि मदरसों में पढ़ने वाले बच्चे भी प्रतिस्पर्धा में आगे रहें। इसी सोच के तहत प्री प्राइमरी कक्षाएं चलाने की तैयारियां हो रही हैं। बोर्ड के चेयरमैन डॉ. इफ्तिखार अहमद जावेद का कहना है कि इस पर तेजी से काम शुरू हो गया है। प्री प्राइमरी का पाठ्यक्रम तैयार किया जा रहा है। कोशिश है कि शुरू से ही बच्चों को सभी विषय पढ़ाए जाएं। मार्च में बोर्ड का कैलेंडर जारी होता है। उसी समय प्री प्राइमरी कक्षाओं का भी शिड्यूल जारी कर दिया जाएगा।

आज लखनऊ आएंगे बीएल संतोष

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) बीएल संतोष सोमवार को दो दिवसीय प्रवास पर लखनऊ आ रहे हैं। इस दौरान वे पार्टी पदाधिकारियों, क्षेत्रीय व जिला अध्यक्षों, जिला प्रभारियों और मोर्चों के अध्यक्षों के साथ बैठक कर सांगठनिक क्रियाकलापों की समीक्षा करेंगे। पार्टी के अभियानों की भी जानकारी लेंगे। प्रदेश महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ला ने बताया कि बीएल संतोष की अध्यक्षता में होने वाली विभिन्न बैठकों में प्रदेश प्रभारी राधा मोहन सिंह, प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह आदि शामिल होंगे। बताया जा रहा है कि इस बैठक के साथ ही लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारी शुरू हो जाएगी। भाजपा ने लोकसभा चुनाव में यूपी की सभी सीटों को जीतने की योजना बनाई है। प्रदेश में निकाय चुनाव टल गए हैं। ओबीसी के आरक्षण को लेकर भाजपा का कहना है कि जब तक ओबीसी को आरक्षण नहीं मिल जाता तब तक चुनाव नहीं करवाए जाएंगे।

लूट की योजना बना रहे तीन गिरफ्तार

मुरादाबाद। मझोला पुलिस ने गागनवाली मैनाठेर पुलिया के पास से शनिवार की देर रात तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने अवैध तमंचा, कारतूस और चाकू बरामद किया। पुलिस का दावा है कि तीनों लूट और डकैती की योजना बना रहे थे। थाना प्रभारी के अनुसार मझोला पुलिस ने गश्त के दौरान गागनवाली पुलिया के पास से शनिवार की रात तीन संदिग्धों को धर दबोचा। पकड़े गए आरोपियों में लक्ष्मणपुरी चिड़ियाटोला निवासी अनुराग उर्फ पोपू और गोलू उर्फ शिवम, गायत्रीनगर निवासी लक्की उर्फ रक्षित भटनागर शामिल हैं। आरोपियों के पास से पुलिस ने एक अवैध तमंचा 315 बोर, दो कारतूस, दो चाकू और 590 रुपये बरामद किया। पुलिस की पूछताछ से पता चला कि तीनों डकैती और लूट की योजना बनाने के लिए इकट्ठा हुए थे। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में चौकी प्रभारी रामतलैया मदन कुमार, मुख्य आरक्षी इंद्रपाल सिंह, आरक्षी दीपक तोमर सहित अन्य लोग शामिल थे। ब्यूरो

पिकनिक मनाने जा रहे थे वाराणसी: घने कोहरे में वाहन से भिड़ी कार

वाराणसी : घने कोहरे के बीच वाहनों की तेज रफ्तार जानलेवा साबित हो रही है। वाराणसी हाईवे पर महोब गांव के पास शनिवार रात करीब दो बजे घने कोहरे की वजह से एक कार किसी वाहन से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए। कार में सवार तीन युवकों की मौके पर मौत हो गई। तीन घायल हो गए। एक घायल की लखनऊ ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। हादसे की जानकारी होने पर पहुंचे युवकों के परिजनों ने पुलिस को बताया कि सभी युवक महराजगंज से कार में सवार होकर नए साल का जश्न मनाने वाराणसी जा रहे थे। कार की हालत को देखकर लग रहा है कि तेज गति होने से कोहरे में चालक को आगे चल रहे वाहन का पता नहीं चला होगा। इस वजह से कार सामने वाले वाहन से टकरा गई। भीषण टक्कर के कारण कार का अगला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। चार युवकों की जान चली गई। हादसे में घायल शिवांश की हालत गंभीर थी। डॉक्टरों ने उसे लखनऊ रेफर कर दिया, लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई। अन्य दो घायलों को अस्पताल में भर्ती किया गया है। मृतकों की पहचान निचलौल, महराजगंज निवासी आशीष (26), अब्दुल (20), आयुष (19) और शिवांश (17) के रूप में हुई है। घायल गोलू चौहान (17), अरबाज शाह (19) को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के साथ यूपी में जुड़ेंगे लाखों लोग

कांग्रेस के प्रांतीय अध्यक्ष और पूर्व मंत्री नकुल दुबे ने कहा है कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा तीन जनवरी को उत्तर प्रदेश में प्रवेश कर रही है। इस यात्रा में उत्तर प्रदेश की सहभागिता भी बढ़ चढ़कर रहेगी। इसके लिए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर हुई प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने कहा कि पिछले 8-9 वर्ष से देश व प्रदेश के जो हालात बने हुए हैं, उसमें भाई को भाई का दुश्मन बनाया जा रहा है। चंद उद्योगपतियों के पास देश का पैसा इकट्ठा होता जा रहा है। बाकी देशवासी गरीबी, महंगाई और बेरोजगारी की मार झेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के साथ यूपी में लाखों लोग जुडेंगे। इस मौके पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रशासन प्रभारी दिनेश सिंह, मीडिया संयोजक अशोक सिंह, प्रदेश प्रवक्ता संजय सिंह आदि रहे।

मेरठ में देर रात मंदिर में पथराव-तोड़फोड़

मेरठ : मेरठ के बाबा मनोहर नाथ मंदिर में रविवार रात जमकर बवाल हुआ। मंदिर में ईंट-पत्थर चले। कुर्सियां, गाड़ियां और सारा सामान तोड़फोड़ कर बिखरा दिया। करोड़ों की जमीन को लेकर मंदिर की महंत और महामंडलेश्वर गुरुमाता नीलिमानंद और दूसरे पक्ष सुशील गिरी का लंबे समय से विवाद है। इसको लेकर पहले भी दोनों पक्षों में झगड़ा होता रहा है। रविवार को दोबारा दोनों पक्षों में विवाद हुआ। गुरुमाता नीलिमानंद का आरोप है कि पूरा हमला सिविल लाइन पुलिस ने करवाया। एक रक और पांच-छह सिपाही के साथ सुशील गिरी, उसके बेटे और कुछ बाहरी लोग मंदिर में आए। आते ही उन्होंने हम लोगों पर हमला बोल दिया। पुलिस ने आते ही कहा कि सीओ साहब के आदेश हैं। हवन कुंड नहीं बनेगा। इसके बाद पुलिस ने अपने सामने मंदिर में हमला, तोड़फोड़ और पथराव कराया। थाना सिविल लाइन क्षेत्र का बाबा मनोहर नाथ मंदिर शहर के प्रमुख मंदिरों में एक है। मंदिर से सटा ऐतिहासिक सूरजकुंड है। मान्यता है कि कुंड में खुद मंदोदरी स्नान करने आती थीं। आरोप है कि गुरुमाता नीलिमानंद पर भी लाठी-डंडों से हमला किया गया। नीलिमानंद सहित 4 लोग हमले में घायल हुए हैं। अराजक लोगों ने मंदिर पर पत्थर भी फेंके। मंदिर परिसर में बने हवनकुंड को भी नष्ट कर दिया। पथराव से महंत की कार सहित अन्य वाहन भी टूट गए। दरअसल, बाबा मनोहर नाथ मंदिर में नए साल पर निलिमानंद की ओर से हवनकुंड में हवन यज्ञ कराया गया था। इस बात का विरोध गिरी समाज के सुशील गिरी और उसके बेटों ने किया था। दो दिन से मंदिर में हवनकुंड पर यज्ञ चल रही थी। रविवार शाम को भी हवन थी। शाम के वक्त जब हवनकुंड पर यज्ञ होने लगी तो सुशील गिरी और उसके बेटों ने बाहरी लोगों के साथ हवनकुंड को हटवाने के लिए वहां आ गए। मंदिर परिसर में सुशील गिरी पक्ष के लोगों ने हंगामा कर हवनकुंड हटाने की मांग पुलिस से की। उस वक्त तो मामला निपट गया। मौके पर तीन सिपाही को तैनात किया गया था। निलिमानंद का कहना है कि दोपहर में हम, मंदिर के पुजारी और अन्य लोग सीओ सिविल लाइन अरविन्द चौरासिया से मिलने पहुंचे। हवनकुंड पर पूजा-अर्चना की मांग की। सीओ ने उन्हें आश्वासन दिया कि आप जाइए और हवनकुं ड पर पूजा-अर्चना करिए। जब हवनकुंड पर पूजा की तैयारी करने लगे तो देर रात दस बजे सुशील गिरी, ईशांक, कपिल, शशांक और 10 से ज्यादा लोग वहां पहुंचे। उनके साथ एक रक और पांच सिपाही मंदिर में पहुंचे। आते ही सुशील और उसके बेटों ने हवनकुंड में तोड़फोड़ कर दी। बस इसी के बाद तोड़फोड़ और बवाल शुरू हुआ। सीओ सिविल लाइन अरविन्द चौरासिया मौके पर पहुंचे और मंदिर समिति के लोगों से पूछताछ की। पुलिस ने सुशील गिरी के दो बेटों को हिरासत में लिया है। चार घायलों को जिला अस्पताल के लिए भेजा गया। गुरुमाता निलिमानंद सहित मंदिर समिति के लोगों की तरफ से थाना सिविल लाइन में तहरीर दी गई है। पहले भी बाबा मनोहर नाथ की पुण्यतिथि पर मनोहर नाथ मंदिर ट्रस्ट की ओर से भंडारे और समाधि स्थल पर पूजा अर्चना के लिए भक्त आए थे। इस बीच जब मनोहर नाथ मंदिर ट्रस्ट पीठाधीश्वर नीलिमानंद पक्ष के लोग समाधि स्थल पर साफ-सफाई करने पहुंचे तो वहां उपस्थित सुशील गिरी और उनके समर्थकों ने पूजा-अर्चना करने से रोक दिया। इस पर दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए थे। सुशील गिरी मंदिर समाधि स्थल पर अपना हक बताते हैं। मंदिर अपना हक जताता है। मंदिर के स्वामित्व और अपने पूर्वजों के आधिपत्य को लेकर दोनों पक्षों के बीच सिविल कोर्ट में वाद दायर किए गए। सुशील गिरी का दावा है कि बाबा मनोहर नाथ समाधि उनके पूर्वजों की है। जबकि नीलिमानंद ने बताया कि यह मेरठ का सबसे बड़ा मंदिर मुगल बादशाह शाहजहां के समय है। यह गजट उत्तर प्रदेश सरकार 1922 में दिया गया है।

आलू कारोबारी की गोली मारकर हत्या

प्रयागराज:- प्रयागराज में आलू कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। फायरिंग की आवाज सुनकर आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे। उसे आनन-फानन में अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वारदात की सूचना मिलते ही परिजनों और व्यापारियों ने दारागंज कोतवाली का घेराव कर हंगामा कर दिया। पुलिस ने परिजनों को समझा बुझाकर मामला शांत करवाया। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। वहीं कारोबारी के परिजनों ने हत्या का आरोप लगाकर दारागंज के रहने वाले बादल के खिलाफ नामजद तहरीर दी है। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है।

पिता बोले- सुबह 4 बजे घर से निकला था बेटा:-मृतक कारोबारी का नाम श्याम जी केसरवानी (40) है। श्याम जी सराय इनायत थाना क्षेत्र के इशीपुर गांव का रहने वाला था। कारोबारी के दो बच्चे हैं। बेटे का नाम समर और बेटी का नाम खुशी है। पिता लालचंद केसरवानी ने बताया, "बेटा दारागंज सब्जी मंडी में गंगा भवन के सामने आलू की आढ़त लगाता था। घर से ही अप डाउन करता था। रोज की भांति शनिवार को सुबह 4 बजे घर से मंडी के लिए निकला था। पास के लोगों ने मुझे बताया है कि करीब साढ़े 5 बजे आढ़त के सामने एक व्यक्ति शॉल ओढ़कर आया। बेटा जब कुछ समझ पाता तब तक उसने कनपटी से सटाकर गोली मार दी। इसके बाद बेटा वहीं पर गिर गया और मौके पर मौत हो गई। फायरिंग की आवाज सुनकर जब तक आस-पास के लोग पहुंचे, तब तक हमलावर भाग

चुका था।" गोली मारने की सूचना पर घायल को स्वरुप रानी अस्पताल भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।परिजनों की तहरीर पर एक युवक के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है।"

वृंदावन में बनेगा देश का सबसे बड़ा सिटी फॉरेस्ट

वृंदावन : वृंदावन में बनेगा देश का सबसे बड़ा सिटी फॉरेस्ट, 130 हेक्टेयर भूमि पर बनाया जा रहा है सौभरि शहर वन अमर उजाला नेटवक मथुरा इसे वृंदावन के ग्राम सुनरख के पास 130 हेक्टेयर भूमि पर वन विभाग द्वारा सौभरि नगर वन के नाम से विकसित कर रहा है। सरकार की इस महत्वाकांक्षी परियोजना का काम स्थानीय जिला प्रशासन, उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद, मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण और वन विभाग द्वारा सामूहिक रूप से किया जा रहा है ।योगी सरकार की ओर से वृंदावन में देश का सबसे बड़ा शहर वन (सिटी फॉरेस्ट) बनाया जा रहा है। इसे वृंदावन के ग्राम सुनरख के पास 130 हेक्टेयर भूमि पर वन विभाग द्वारा सौभरि नगर वन के नाम से विकसित कर रहा है। सरकार की इस महत्वाकांक्षी परियोजना का काम स्थानीय जिला प्रशासन, उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद, मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण और वन विभाग द्वारा सामूहिक रूप से किया जा रहा है। भविष्य में इसी वन में

बंदरों के रखने की व्यवस्था होगी। सुनरख, आटस ग्राम और जहांगीरपुर खादर को मिलाकर 130 हेक्टेयर जमीन 10 वर्ष के लिए वन विभाग को दी गई है। यहां वन विभाग द्वारा 76 हजार से अधिक पौधे लगाकर वन बनाया जा रहा है। सौभरि नगर वन में दो चरण में काम हो रहा है। यहां प्रथम चरण में क्षेत्रफल 123 हेक्टेयर में 76875 पौधे वन विभाग ने लगा दिए गए हैं। इन पौधों में पाखर, पीपल, जामुन, शीशम, आमला, नीम, अर्जुन, बरगद, आम, जामुन आदि के पौधे हैं। उम्मीद है कि यह अगली साल तक पौधे काफी बड़े हो जाएंगे। इस वन में ब्रज के पौराणिक महत्व के करीब 25 प्रकार के वृक्ष इस वन में लगाए गए हैं। यह शहर वन तीन किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है।क्षेत्रीय वन अधिकारी बृजेश सिंह परमार ने बताया कि आगे आने वाले समय में इसे पार्क का रूप भी दिया जायेगा। जिससे यहां पर श्रद्धालु एवं पर्यटक आकर घूम सकें। यहां पर जॉगिंग ट्रैक, बच्चों के लिए झूले व अन्य सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसका कार्य पूर्ण होने के बाद आम लोगों के लिए इस वन को खोल दिया जाएगा। इसके साथ ही पौधों के रखरखाव के लिए चयनित स्थल पर प्रजाति वार ब्लॉकों की कटिदार तारों से बाड़बंदी की जाएगी। इसके अलावा चयनित स्थल पर खंभों पर कटिदार तार से घेराबंदी करके 4 वॉच टॉवर भी बनाए जाएंगे। जिनका काम मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण द्वारा किया जाएगा।बता दें कि सौभरि शहर वन के लिए चयनित परियोजना स्थल के एक ओर कोसी ड्रेन और दूसरी ओर यमुना नदी है। बीच का यह स्थल भगवान श्रीकृष्ण की कालीयदह दमन लीला और सौभरि ऋषि की तपोस्थली है। इस कारण चयनित क्षेत्र पौराणिक, धार्मिक और ऐतिहासिक रूप में भी काफी अहम है। सुनरख में आज भी सौभरि ऋषि का आश्रम है। विष्णु पुराण, देवी भागवत पुराण एवं श्रीमद्भागवत पुराण के नवम स्कंध के छठे अध्याय में सौभरि ऋषि के विषय में वर्णन भी है। इस परियोजना से ईको रेस्टोरेशन, स्थानीय पर्यावरण स्थल का विकास होगा। वहीं बंदरों की समस्या से भी निजात मिलेगी। मथुरा-वृंदावन में विकसित होने वाला यह सौभरि शहर वन देश का सबसे बड़ा शहर वन होगा।